आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)
रविवार 11.04.2026
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- राज्य में स्वजनगणना शुरु; 24 अप्रैल तक आम नागरिक ऑनलान पोर्टल के माध्यम से दर्ज कर सकेंगे अपनी जानकारी।
- उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स ने मुख्यमंत्री से मुलाकात और सकारात्मक आश्वासन के बाद अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल स्थगित की।
- स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन को प्रदेश में शत प्रतिशत सफल बनाने पर जोर दिया।
- **और,** उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा बोर्ड के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं के परिणाम घोषित।

स्वजनगणना

उत्तराखंड में जनगणना 2027 के पहले चरण की औपचारिक शुरुआत हो गई है। इस अवसर पर राज्यपाल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर स्व–गणना प्रक्रिया की शुरुआत की। इसके साथ ही राज्यभर में हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना का कार्य शुरू हो गया है।

इस जनगणना में पहली बार नागरिकों को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज करने की सुविधा दी गई है। यह सुविधा 10 अप्रैल से 24 अप्रैल तक उपलब्ध रहेगी। इसके बाद 25 अप्रैल से 24 मई 2026 तक गणनाकर्मी घर–घर जाकर जानकारी एकत्र करेंगे। पहले चरण में नागरिकों से आवासीय स्थिति, सुविधाओं और अन्य विवरण से जुड़े कुल 33 प्रश्न पूछे जाएंगे। स्व–गणना पूरी करने पर नागरिकों को एक विशेष आईडी दी जाएगी, जिसे गणनाकर्मी को दिखाना होगा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनगणना कार्य समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनकी शुद्धता आवश्यक है।
मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे स्व–गणना के माध्यम से इस अभियान में भागीदारी करें और अपने परिवार की सही जानकारी दर्ज करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि एकत्रित आंकड़ों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी और उनका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए ही किया जाएगा।

आकाशवाणी देहरादून के लिए समाचार कक्ष से अमित सुन्द्रियाल

<u>हड़ताल स्थगित</u>

देहरादून में उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स ने अपनी हड़ताल फिलहाल स्थगित कर दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ हुई बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री आवास में हुई इस बैठक में उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के पदाधिकारियों ने अपनी विभिन्न मांगों पर विस्तार से चर्चा की। महासंघ ने 27 सूत्रीय मांगें रखीं, जिनमें पदोन्नति, वेतनमान और पुरानी पेंशन व्यवस्था से जुड़े मुद्दे प्रमुख रहे। बैठक के बाद महासंघ ने 23 मार्च 2026 से चल रही अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल को राज्यहित में स्थगित करने का निर्णय लिया। महासंघ के अनुसार, मुख्यमंत्री की ओर से सकारात्मक आश्वासन मिलने के बाद यह फैसला लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार संवाद और समन्वय के जरिए सभी समस्याओं का समाधान निकालने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जनहित से जुड़े कार्यों को सुचारू बनाए रखने और विकास कार्यों में बाधा न आने के लिए सभी पक्षों से सकारात्मक सहयोग की अपील की।

<u>समीक्षा</u>

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में नैनीताल और ऊधमसिंह नगर ज़िले की विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से जुड़ी मुख्यमंत्री घोषणाओं की समीक्षा की। बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई समस्याओं के समाधान को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के माध्यम से सामने आने वाली समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने अल्पकालिक कार्यों को शीघ्र पूरा करने और दीर्घकालिक योजनाओं को निर्धारित समयसीमा में चरणबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही, जिन योजनाओं में कई विभाग जुड़े हैं, उनमें बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनप्रतिनिधियों के साथ लगातार संवाद बनाए रखें, जिससे समस्याओं के समाधान में तेजी लाई जा सके। उन्होंने आगामी वर्षाकाल को देखते हुए बरसाती नालों की सफाई और जल निकासी से जुड़े कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि जलभराव और बाढ़ की स्थिति से निपटा जा सके। इसके साथ ही वनाग्नि की घटनाओं को रोकने के लिए भी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा।

<u>पोशण पखवाड़ा</u>

उत्तरकाशी में पोषण अभियान के तहत 'पोषण पखवाड़ा' का शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने पोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो पूरे ज़िले में जागरूकता फैलाएगा। पखवाड़े के दौरान जिला और विकासखंड स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें मातृ–शिशु पोषण, 3 वर्ष तक के बच्चों के विकास और 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए खेल आधारित शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने बच्चों का स्क्रीन टाइम कम करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया।

उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में बेहतर सुविधाएं, खिलौने और शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। कार्यक्रम में आईसीडीएस की सुपरवाइजर और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे और कुपोषण के खिलाफ मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

आयुश्मान भारत कार्य□ााला

देहरादून में आयोजित आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से चिकित्सा क्षेत्र को मजबूती मिलेगी और ये मिशन जनकल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने इस मिशन को प्रदेश में शत प्रतिशत सफल बनाने पर जोर दिया।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य समाज के अंतिम छोर तक खड़े व्यक्ति को भी आयुष्मान योजना का लाभ देना है। उन्होंने बताया कि आभा आईडी के माध्यम से मरीज का पूरा हेल्थ प्रोफाइल ऑनलाइन उपलब्ध होगा, जिससे जरूरत पड़ने पर घर बैठे चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेंगी। उन्होंने अधिकारियों को मिशन के लक्ष्यों को सुनियोजित तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। कार्यशाला में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुनील कुमार बरनवाल ने कहा कि इस मिशन के तहत मरीज, स्वास्थ्य कर्मी, चिकित्सा संस्थान और फार्मेसी एक ही प्लेटफॉर्म पर जुड़ेंगे।

परीक्षा परिणाम

उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा बोर्ड के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। हाईस्कूल में 88 दशमलव दो प्रतिशत अंक प्राप्त कर रूद्रांश उनियाल ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि इंटरमीडिएट में सक्षम प्रसाद ने 93 दशमलव 4 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया। संस्कृत शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने पश्चिम बंगाल से वर्चुअल माध्यम से जुड़कर परीक्षा परिणाम जारी किए और सफल तथा श्रेष्ठता सूची में स्थान पाने वाले सभी छात्र–छात्राओं को बधाई दी।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 में कुल एक हजार 775 छात्र–छात्राओं ने परीक्षा दी थी, जिनमें इंटरमीडिएट में 88 दशमलव चार–आठ प्रतिशत और हाईस्कूल में 92 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं।

मॉक ड्रिल

चारधाम यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए राज्यभर में कल व्यापक स्तर पर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में गढ़वाल मंडल के सातों ज़िलों में यह अभ्यास 50 स्थानों पर एक साथ किया गया। इसमें जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना, स्वास्थ्य विभाग सहित कई विभागों ने भाग लिया।

आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री मदन कौशिक ने मॉक ड्रिल का निरीक्षण किया और विभिन्न जिलों के अधिकारियों से संवाद कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि चारधाम

यात्रियों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सुरक्षित व सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

मॉक ड्रिल के दौरान यात्रा मार्गों पर भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं, संचार व्यवस्था और आपात निकासी जैसी व्यवस्थाओं को परखा गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि संवेदनशील क्षेत्रों की पहले से पहचान कर वहां आवश्यक संसाधनों और राहत दलों की तैनाती सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी जिलों में कंट्रोल रूम और हेल्पलाइन को सक्रिय रखने पर भी जोर दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि इस मॉक ड्रिल के जरिए तैयारियों की समीक्षा की गई है और जो कमियां सामने आई हैं, उन्हें यात्रा शुरू होने से पहले दूर किया जाएगा, ताकि चारधाम यात्रा सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से संचालित हो सके।

आकाावाणी देहरादून के लिए समाचार कक्ष से हिना

चारधाम यात्रा

चारधाम यात्रा से पहले यात्रा मार्गों की सड़कों को दुरुस्त करने का काम तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश के लोक निर्माण एवं पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि 15 अप्रैल तक चारधाम रूट की सभी सड़कों को ठीक करने का लक्ष्य रखा गया है और इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। कई स्थानों पर सड़क निर्माण और मरम्मत का काम पूरा हो चुका है। राज्य में चिन्हित 207 भूस्खलन जोन में से 88 स्थानों पर सुधार कार्य पूरा कर लिया गया है, जबकि बाकी स्थानों पर काम जारी है। यमुनोत्री और केदारनाथ मार्ग को सबसे संवेदनशील माना गया है।

सतपाल महाराज ने बताया कि यात्रा मार्गों पर गड्ढा मुक्त सड़कें, बेहतर यातायात व्यवस्था, पेयजल, शौचालय और स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही वैकल्पिक मार्गों को भी दुरुस्त रखा जा रहा है ताकि मुख्य मार्ग बाधित होने की स्थिति में यातायात सुचारू बना रहे।

वॉटर स्पोर्टस

टिहरी गढ़वाल में टिहरी बांध झील में चल रही 25वीं ऑल इंडिया पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता के तीसरे दिन रोइंग की 2000 मीटर स्पर्धाओं में देशभर से आए खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

पुरुष वर्ग में असम राइफल्स ने दो स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। आईटीबीपी ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक हासिल किया, जबकि सीआरपीएफ को एक स्वर्ण पदक मिला। सीआईएसएफ ने दो रजत और एसएसबी ने एक रजत पदक जीता। बीएसएफ, राजस्थान पुलिस और उत्तर प्रदेश पुलिस ने एक–एक कांस्य पदक अपने नाम किया।

महिला वर्ग में आईटीबीपी का दबदबा रहा, जहां टीम ने दो स्वर्ण और दो रजत पदक जीते। सीआईएसएफ और बीएसएफ ने एक–एक स्वर्ण और एक–एक कांस्य पदक हासिल किया। असम राइफल्स को एक रजत और एक कांस्य पदक मिला, जबकि एसएसबी ने एक रजत और उड़ीसा टीम ने एक कांस्य पदक जीता। टिहरी झील में जारी इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का उत्साह लगातार बढ़ रहा है और आने वाले दिनों में और रोमांचक मुकाबलों की उम्मीद की जा रही है।